FRETFULNESS : (1) शीघ्रक्षुब्धता ; (2) आशुसन्तापिता ; (3) प्रतीपता (?).
FRETWORK : कर्णरेखाकर्मन् (n.).
FRIABILITY : (1) भङ्गुरता : v. Fragility ; (2) by circumlo. : v. Friable.
FRIABLE : भङ्गुरः (रा, रं) : v. Fragile. यः (या, यत्) सुखेन चूर्णीभवति.
FRIAR : ब्रह्मचारिन् (m.) (?) : v. Monk.
FRICASSE (subs.) : तलितमांसम् (?), Bha.
FRICTION : (1) घर्षणम् ; (2) घर्षः, नि-, सं-, उत्-, *fire rising from the f. of the roots of branches*: शाखान्तनिघर्षजोऽनलः, Ki.
FRIDAY : (1) शुक्रवारः ; (2) शुक्रवासरः ; (3) भृगुवारः.
FRIEND : I. In gen. : (1) सखि (m.) (f. खी), *bosom f.*: हृदयङ्गमः सखा, Ku. (2) मित्रम्, *greatest f.*: परं मित्रम्, K. ; *old f.*: चिरमित्रम्, H. ; (3) सुहृद् (m.), *dear old f.*: चिरन्तनप्रियसुहृद्, U. vi. ; *first shewing leniency as a f.*: सुहृदिव प्रथममनुकूलतां प्रकटय्य, Ma. iv. 7. ; (7) बन्धुः, *who else is f. to me like you* : कोऽपरः त्वत्समो मे बन्धुः, K. ; (5) वयस्य (f. स्या=of the same age). II. An advocate : (1) मित्रम् ; (2) बन्धुः.
FRIENDLESS : (1) बन्धुहीनः (ना, नं), *I live in this wood f. as dead*: अत्रारण्ये बन्धुहीनो मृतवन्निवसामि, H.; (2) मित्रहीनः (ना, नं) ; (3) असहायः (या, यं) (=without a helper).
FRIENDLINESS : (1) स्नेहः : v. Affection, love ; (2) अनुकूलता (favourableness) ; (3) दया (=kindness) : (4) मित्रवद्व्यवहारः.
FRIENDLY (adj.) : (1) स्निग्ध (f. ग्धा) (affectionate) ; (2) अनुकूलः (ला, लं) (=favourable) ; (3) सदयः (या, यं) (=kind). Ph. : *should have f. feeling towards those who have enjoyments*: सम्भोगापन्नेषु मैत्रीं भावयेत्, P. d. ; *the one next to an enemy is a f. power*: अरेरनन्तरं मित्रम्, M. vii. 158.
FRIENDLY (adv.) : (1) मित्रवत् ; (2) सुहृदिव ; (3) बन्धुवत्, etc.
FRIENDSHIP : (1) सख्यम्, *among the good, f. (is produced) in seven words*: सतां साप्तपदं सख्यम्, Mah.; (2) मित्रता *or* मैत्री, *to make f.*: मैत्रीं करोति, Ki. ; *it is not proper (to form) f. with a stranger*: आगन्तुना सह मैत्री न युक्ता, H.; (3) सौहार्दम् *or* सौहृदम् *out of f. or from compassion towards me*: सौहार्दाद्वा मय्यनुक्रोशबुद्ध्या वा, Me. ; (4) बन्धुता.
FRIEZE : I. Coarse cloth : स्थूलपट्टम्. II. In architecture : *अवचूडा.
FRIGATE : मद्गुः (?). D. vi. : v. Ship.
FRIGHT (subs.) : त्रासः : v. Fear, terror. *To take f.*: त्रस्यति (त्रस्, c. 4.) (with abl.).
FRIGHTEN (v.) : (1) भीषयति, वि-, (c. of भी), *I can never be f. ed with mere words*: नाहं भीषयितुं शक्यो वाङ्मात्रेण कथञ्चन, Mah. (2) त्रासयति, वि-, (c. of त्रस्), *on the pretence of f. ing pigeons*: पारावतत्रासनापदेशात्, D. *To be f. ed* : बिभेति, भी, c. 2.), *do not get f. ed*: मा भैषीः, *I therefore stand f. ed before you*: अत एव भीतस्तिष्ठामि तेऽग्रतः, Mah.
FRIGHTFUL : (1) भैरवः (वी, वं) ; (2) भीषण (f. णा) ; (3) भीमः (मा, मं) ; (4) करालः (ला, लं); (5) विकटः (टा, टं) : v. Also dreadful, fearful.
FRIGHTFULLY : (1) भैरवम् ; (2) भीषणम् ; (3) भीमम् ; (4) करालम् ; (5) विकटम्, Vi. : v. Also dreadfully.
FRIGHTFULNESS : (1) भैरवता ; (2) भीषणता ; (3) दारुणता.
FRIGID : I. Cold : q.v. : शीतः (ता, तं). II. Unfeeling : q.v. : नीरसः (सा, सं).
FRIGIDITY : I. Coldness : q.v. : शीतता. II. Fig. : नीरसता.
FRIGIDLY : I. Lit. : शीतलम्. II. Fig. : नीरसम्
FRILL : *फुल्लितदशा (after Assamese).
FRINGE : (1) दशा ; (2) अञ्चलः ; (3) तरी *or* तरिः (rare).
FRINGED : (1) दशायुक्तः (क्ता, क्तं) ; (2) अञ्चलान्वितः (ता, तं) ; etc.
FRIPPERY : I. Lit. : (1) जीर्णवस्त्रम् ; (2) उच्छिष्टवस्त्रम्. II. Fig. : secondhand finery : दृष्टिशोभनः (ना, नं) (?).
FRISK (v.) खेलति (खेल्, c. 1.), U. : v. To play, leap.
FRITH : मुखम् (=mouth); सङ्गमः (=confluence).
FRITTER (subs.) : खण्डः (mn.) : v. Fragment.
FRITTER (v.) : I. To cut : खण्डशः कृन्तति (कृत्,